E
Batch - 2020-21/ 2021-22

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : दिसंबर – २०२२

सत्र – २

विषय : प्राचीन काव्य – (भाग–२) (HDS - 202)

दि.: २०/१२/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ संत मीराँबाई की भक्ति भावना एवं विरह भावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्र. २ मीराँबाई के काव्य में गीतितत्व के स्वरुप को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ३ कवि बिहारी द्वारा चित्रित दोहों में नायक–नायिका के सौंदर्य वर्णन का विवेचन कीजिए ।

प्र. ४ कवि बिहारी के काव्य में अभिव्यक्त नीति एवं उपदेशपरक दोहों को सोदाहरण विशद कीजिए ।

प्र. ५ कवि बिहारी की भाषा शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ६ संत तुकाराम के दार्शनिक विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ७ मराठी संतों की हिंदी रचनाओं का प्रयोजन या हेतु सविस्तार स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ महाराष्ट्र के प्रमुख धर्मसंप्रदायों का परिचय दीजिए ।

प्र. ९ **निम्नलिखित अवतरणों में से किन्ही दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१) लोग कह्यां मीराँ बावरी सासु कह्याँ कुलनासी री ।
विष रो प्यालो राणा भेज्याँ, पीवाँ मीराँ हासि रे ।

२) जिन दिन देखे वे कुसुम, गई सु बीति बहार ।
अब अलि, रही गुलाब मैं अपत कँटीली डार ।

३) तुका बिस्तर बिच्यारा क्या करे रे, ज्याका चित भगवा न होये ।
भीतर मैला केऊ मीटे, जो परे ऊपर धोये ?

४) मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ ।
जा तन की झाई परैं स्यामु हरित दुति होइ ।।

प्र.१० **निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) मीराँ के इष्टदेव
२) मीराँ के काव्य में वियोग भावना
३) कवि बिहारी के काव्य मे प्रकृति
४) संत नामदेव की काव्य कला